IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 8529719732
Page 1 of 50 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

बीएमपी-002

(हिन्दी माध्यम)

IMPORTANT
QUESTION ANSWER's

Guess Paper / Exam Notes

By India's No.1 - Mother Publication

FOR MORE PDF 8529719732

Disclaimer for Guess / Sample Paper By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905: -

This PDF contains sample papers compiled from previous years' questions of the IGNOU It is intended to provide you with a general idea of the paper format and may cover some potential questions. However, it is important to note the following:

1. **No Guarantee of Exam Questions:** We do not guarantee that the questions presented in this sample paper will appear in your actual exams. The content is for practice purposes only.
2. **Book Study Recommended:** To achieve good marks in your IGNOU exams, it is highly recommended that you thoroughly study the prescribed course materials and textbooks. Relying solely on this sample paper may not be sufficient for exam success.
3. **Use as a Study Aid:** Use this sample paper as a supplementary study aid to test your knowledge and exam preparedness.
4. **Self-Responsibility:** Your performance in exams is your responsibility, and success depends on your dedication to studying the course material.

We wish you the best of luck with your IGNOU exams. Thank you for using this sample paper as part of your preparation. **By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 8529719732
Page 2 of 50 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

खंड-1

20 अंकों के प्रश्न - प्रत्येक 500 शब्द

Q. 1- ऑपरेशन मैनेजमेंट के स्कोप, महत्व और मुख्य कामों के बारे में बताएं।

उत्तर- **संचालन प्रबंधन का दायरा**

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट (OM) उन प्रोसेस का सिस्टमैटिक डायरेक्शन और कंट्रोल है जो इनपुट (जैसे लेबर, मटीरियल, एनर्जी और इन्फॉर्मेशन) को तैयार माल या सर्विस (आउटपुट) में बदलते हैं। इसका स्कोप बहुत बड़ा है, जो पूरे ट्रांसफॉर्मेशन प्रोसेस को कवर करता है और फाइनेंस, मार्केटिंग और ह्यूमन रिसोर्स जैसे दूसरे फंक्शनल एरिया के साथ काफी इंटरैक्ट करता है। स्कोप को तीन बड़े डिसीजन एरिया के आस-पास ऑर्गनाइज़ किया जा सकता है: डिज़ाइन, प्लानिंग और कंट्रोल, और इम्प्रूवमेंट।

A. डिज़ाइन डिसीजन (स्ट्रक्चरल): ये लंबे समय के, स्ट्रेटेजिक डिसीजन होते हैं जो फिजिकल सिस्टम बनाते हैं। इनमें प्रोडक्ट और सर्विस डिज़ाइन शामिल है, जो मार्केट की ज़रूरतों को ठोस डिलीवरेबल्स में बदलता है; प्रोसेस सिलेक्शन, जो टेक्नोलॉजी और फ्लो को तय करता है (जैसे, जॉब शॉप बनाम असेंबली लाइन); कैपेसिटी प्लानिंग, जो मैक्सिमम आउटपुट रेट और ज़रूरी रिसोर्स लेवल तय करता है; और फैसिलिटी लोकेशन और लेआउट, जो तय करता है कि ऑपरेशन कहाँ होगा और उसके अंदर रिसोर्स को सबसे अच्छे फ्लो के लिए कैसे ऑर्गनाइज़ किया जाएगा। ये स्ट्रक्चरल चॉइस ऑर्गनाइज़ेशन के कॉस्ट स्ट्रक्चर और लंबे समय की फ्लेक्सिबिलिटी को तय करते हैं।

B. प्लानिंग और कंट्रोल के फैसले (इंफ्रास्ट्रक्चरल): ये टैक्टिकल और ऑपरेशनल होते हैं, जो मौजूदा सिस्टम के रोज़ाना के मैनेजमेंट पर फोकस करते हैं। इसमें डिमांड फोरकास्टिंग शामिल है, जो भविष्य में कस्टमर की ज़रूरतों का अंदाज़ा लगाती है; प्रोडक्शन शेड्यूलिंग, जो समय के साथ खास कामों के लिए रिसोर्स बांटती है; इन्वेंट्री मैनेजमेंट, जो ज़्यादा होल्डिंग कॉस्ट उठाए बिना डिमांड को पूरा करने के लिए स्टॉक लेवल को बैलेंस करता है; और मटीरियल रिक्वायरमेंट प्लानिंग (MRP), जो कंपोनेंट्स के मुश्किल फ्लो को मैनेज करती है। असरदार प्लानिंग यह पक्का करती है कि सिस्टम आसानी से, अच्छे से चले, और तय डिलीवरी डेट्स को भरोसे के साथ पूरा करे।

C. सुधार के फैसले (लगातार): OM के दायरे में परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए लगातार कोशिशें शामिल हैं। इसमें गलतियों और बदलाव को कम करने के लिए टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (TQM) और सिक्स सिग्मा जैसी क्वालिटी फिलॉसफी को लागू करना शामिल है। इसमें सभी तरह के वेस्ट (*Muda*) को खत्म करने और नॉन-वैल्यू-एडेड एक्टिविटी को कम करने के लिए लीन प्रिंसिपल अपनाना भी शामिल है। इसका लक्ष्य

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 8529719732
Page 3 of 50 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

लागत, क्वालिटी, स्पीड और फ़्लेक्सिबिलिटी के मामले में लगातार ऑप्टिमाइजेशन करना है, जिससे यह पक्का हो सके कि ऑपरेशन कॉम्पिटिटिव और सस्टेनेबल बना रहे। इसके अलावा, मॉडर्न दायरा पूरी सप्लाई चेन को इंटीग्रेट करता है, ऑर्गेनाइजेशनल बाउंड्री के पार रिश्तों और फ़्लो को मैनेज करता है।

संचालन प्रबंधन का महत्व

ऑपरेशंस मैनेजमेंट का महत्व वैल्यू बनाने और फर्म की कॉम्पिटिटिव पोजीशन और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस पर असर डालने में इसकी सीधी भूमिका से आता है।

A. स्ट्रेटेजिक कॉम्पिटिटिव अलाइनमेंट: OM पूरी कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी (जैसे, कम लागत, तेज़ी से डिलीवरी, बेहतर क्वालिटी) को एक्शनेबल ऑपरेशन में बदलता है। यह ज़रूरी क्षमताएँ बनाता है—जैसे कि फ़्लेक्सिबल वर्कफ़ोर्स या बहुत कुशल टेक्नोलॉजी—जो कंपनी को कस्टमर से किए गए अपने स्ट्रेटेजिक वादों को पूरा करने में मदद करती है। अलाइन्ड ऑपरेशन के बिना, स्ट्रेटेजी सिर्फ़ थ्योरेटिकल होती है।

B. कॉस्ट मैनेजमेंट और एफिशिएंसी: ऑपरेशंस वह जगह है जहाँ किसी ऑर्गनाइज़ेशन की ज़्यादातर कॉस्ट (लेबर, मटीरियल, ओवरहेड) लगती हैं। इफेक्टिव OM प्रोसेस को ऑप्टिमाइज़ करने, वेस्ट कम करने, स्क्रैप कम करने और रिसोर्स के इस्तेमाल को बेहतर बनाने पर फोकस करता है। प्रोडक्शन कॉस्ट पर यह डायरेक्ट कंट्रोल कॉस्ट लीडरशिप पाने और प्रॉफिट मार्जिन को मैक्सिमाइज़ करने के लिए ज़रूरी है, जो बिज़नेस के लिए एक ज़रूरी फाइनेंशियल लीवर देता है।

C. क्वालिटी और रेप्युटेशन बढ़ाना: OM मज़बूत इंस्पेक्शन, कंट्रोल और एश्योरेंस सिस्टम लागू करके सामान और सर्विस की एक जैसी क्वालिटी पक्का करता है। अच्छी क्वालिटी से दोबारा काम कम होता है, वारंटी का खर्च कम होता है, और कस्टमर सैटिस्फैक्शन और लॉयल्टी बढ़ती है। असल में, OM प्रोडक्ट या सर्विस की इंटीग्रिटी का कस्टोडियन है, जो सीधे ब्रांड रेप्युटेशन में बदलता है।

D. रिसोर्स का इस्तेमाल और इन्वेस्टमेंट के फैसले: OM फर्म के सबसे बड़े एसेट्स, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग प्लांट, मशीनरी और लॉजिस्टिक्स सिस्टम शामिल हैं, के अच्छे इस्तेमाल के लिए ज़िम्मेदार है। यह कैपेसिटी प्लानिंग और शेड्यूलिंग को बेहतर बनाता है ताकि यह पक्का हो सके कि ये महंगे एसेट्स बेकार न रहें बल्कि अच्छे से इस्तेमाल किए जाएं। OM बड़े कैपिटल इन्वेस्टमेंट के फैसलों, जैसे प्लांट बढ़ाने या टेक्नोलॉजी अपग्रेड के लिए ज़रूरी डेटा देता है, जिससे यह पक्का होता है कि उनसे सबसे अच्छा रिटर्न मिले।

संचालन प्रबंधन के मुख्य कार्य

OM के ज़रूरी काम बदलाव की प्रक्रिया के डिज़ाइन, उसे पूरा करने और उसकी देखरेख के आस-पास होते हैं।

1. प्रोडक्ट और सर्विस डिज़ाइन: इस काम में मार्केट की ज़रूरत या आइडिया लेकर प्रोडक्शन के लिए ज़रूरी डिटेल्ड स्पेसिफिकेशन्स बनाना शामिल है। यह फ़ाइनल आउटपुट के मटीरियल की ज़रूरतों, प्रोसेसिंग स्टेप्स और क्वालिटी की खासियतों को तय करता है। खास बात यह है कि ऐसे प्रोडक्ट डिज़ाइन किए जाएं जो कस्टमर को पसंद आएं और बनाए जा सकें (डिज़ाइन फ़ॉर मैन्युफ़ैक्चरिंग एंड असेंबली - DFMA)।

2. प्रोडक्शन और इन्वेंट्री कंट्रोल (PIC): PIC एक मुख्य काम है जिसमें शेड्यूलिंग, डिस्पैचिंग और तेज़ी लाना शामिल है। यह सिस्टम के ज़रिए काम के फ़्लो को मैनेज करता है, यह पक्का करता है कि काम सही क्रम में हों और सही समय पर सही सामान उपलब्ध हो। PIC में इन्वेंट्री कंट्रोल में स्टॉकआउट के जोखिम और होल्डिंग कॉस्ट को कम करने के लिए सबसे अच्छी ऑर्डर मात्रा (EOQ) और रीऑर्डर पॉइंट सेट करना शामिल है।

3. प्रोसेस मैनेजमेंट और इम्प्रूवमेंट: यह फ़ंक्शन प्रोडक्शन या सर्विस डिलीवरी में शामिल स्टेप्स को लगातार मॉनिटर और एनालाइज़ करता है। यह रुकावटों को पहचानने, नॉन-वैल्यू-एडेड स्टेप्स को खत्म करने और वर्कफ़्लो को आसान बनाने की कोशिश करता है। लीन और सिक्स सिग्मा जैसे तरीकों को लागू करना इस फ़ंक्शन के तहत आता है, जो लगातार बढ़ते इम्प्रूवमेंट (*काइज़ेन*) पर फ़ोकस करता है।

4. क्वालिटी मैनेजमेंट: यह पक्का करता है कि आउटपुट इस्तेमाल के लिए फिटनेस के पहले से तय स्टैंडर्ड को पूरा करते हैं। इसमें क्वालिटी कंट्रोल पॉइंट बनाना, स्टैटिस्टिकल प्रोसेस कंट्रोल (SPC) चेक करना, और क्वालिटी एश्योरेंस प्रैक्टिस पर लोगों को ट्रेनिंग देना शामिल है। इसका मकसद रिएक्टिव इंस्पेक्शन के बजाय डिफेक्ट को पहले से रोकना है।

5. सप्लाई चेन कोऑर्डिनेशन: इसमें बाहरी लिंक को मैनेज करना, अपस्ट्रीम सप्लायर और डाउनस्ट्रीम डिस्ट्रीब्यूटर के साथ एक्टिविटी और इन्फॉर्मेशन फ़्लो को कोऑर्डिनेट करना शामिल है। यह काम लीड टाइम को मैनेज करने, विज़िबिलिटी को बेहतर बनाने और कस्टमर को सामान की समय पर डिलीवरी पक्का करने के लिए बहुत ज़रूरी है, जिससे पूरा वैल्यू नेटवर्क ऑप्टिमाइज़ हो सके।

FOR MORE PDFs 8529719732

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 8529719732
Page 4 of 50 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

Q. 2- ऑपरेशन्स मैनेजमेंट के ऐतिहासिक विकास पर मुख्य माइलस्टोन्स के साथ चर्चा करें।

उत्तर- **प्रारंभिक जड़ें: औद्योगिक क्रांति (1770s – 1900)**

मॉडर्न ऑपरेशन्स मैनेजमेंट की शुरुआत 18 वीं सदी के आखिर में हुई, जब क्राफ्ट प्रोडक्शन से मैकेनाइज्ड, सेंट्रलाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग की तरफ बदलाव हुआ।

लेबर का बँटवारा और स्पेशलाइज़ेशन (एडम स्मिथ, 1776): एडम स्मिथ का लेबर को स्पेशलाइज़्ड, बार-बार होने वाले कामों में बाँटने का कॉन्सेप्ट, जिसे *' द वेल्थ ऑफ़ नेशंस' में बताया गया था* , स्पेशलाइज़ेशन से प्रोडक्टिविटी में ज़बरदस्त बढ़ोतरी दिखाता है। इस इंटेलेक्चुअल कामयाबी ने मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस को ऑप्टिमाइज़ करने का कॉन्सेप्चुअल बेसिस दिया और सेंट्रलाइज़्ड फैक्ट्रियों में वर्कर्स के कंसंट्रेशन को बढ़ावा दिया।

इंटरचेंजेबल पार्ट्स (एली व्हिटनी, 1798): व्हिटनी का इंटरचेंजेबल पार्ट्स—स्टैंडर्ड पार्ट्स जिन्हें बिना फिटिंग के हर जगह असेंबली में इस्तेमाल किया जा सकता था—को पेश करना एक बहुत ज़रूरी टेक्निकल तरक्की थी। यह इनोवेशन मास प्रोडक्शन के लिए ज़रूरी था, जिससे असेंबली जल्दी हो पाती थी, रिपेयर का समय कम होता था, और तैयार प्रोडक्ट में एक जैसापन आता था, जो स्टैंडर्ड ऑपरेशन की तरफ एक ज़रूरी कदम था।

स्टीम इंजन और मशीनीकरण: स्टीम इंजन के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से एक लगातार और पावरफुल एनर्जी सोर्स मिला, जिससे मशीनरी को बढ़ाना और बड़े पैमाने पर, सेंट्रलाइज़्ड मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी बनाना मुमकिन हुआ, जिससे फैक्ट्री सिस्टम प्रोडक्शन का मुख्य तरीका बन गया।

वैज्ञानिक प्रबंधन युग (1900 – 1920 का दशक)

20 वीं सदी की शुरुआत में ज़्यादा से ज़्यादा कुशलता पाने के लिए काम के सिस्टमैटिक, साइंटिफिक एनालिसिस का बोलबाला था। इस दौर में शॉप फ़्लोर पर बहुत ज़्यादा ध्यान दिया गया।

फ्रेडरिक विंसलो टेलर (साइंटिफिक मैनेजमेंट के जनक): टेलर ने वर्कर्स को ध्यान से देखने और मापने पर आधारित सिद्धांत बनाए। उन्होंने किसी काम को करने का "सबसे अच्छा तरीका" तय करने और सही प्रोडक्शन स्टैंडर्ड तय करने के लिए टाइम स्टडी शुरू की। उनके मुख्य सिद्धांतों में साइंटिफिक तरीके से वर्कर्स को चुनना और उन्हें ट्रेनिंग देना, मैनेजमेंट और लेबर के बीच सहयोग पक्का करना और काम की ज़िम्मेदारी बांटना शामिल था। टेलरिज़्म से प्रोडक्टिविटी में काफी बढ़ोतरी हुई, लेकिन अक्सर वर्कर के हौसले की कीमत पर।

फ्रैंक और लिलियन गिलब्रेथ (मोशन स्टडी): गिलब्रेथ ने मोशन की डिटेल्ड स्टडी पर ध्यान देकर टेलर के काम को बेहतर बनाया। उन्होंने *थेरब्लिग्स नाम* की एक क्लासिफिकेशन स्कीम बनाई, जो एलिमेंटल हैंड मोशन के लिए थी, जिसका मकसद बेकार के मूवमेंट को खत्म करना था। उनके काम से सीधे तौर पर वर्कप्लेस डिज़ाइन, एर्गोनॉमिक्स में सुधार हुआ और असेंबली लाइन पर एफिशिएंसी बढ़ी।

हेनरी गैंट (शेड्यूलिंग और मोटिवेशन): गैंट ने दो ज़रूरी योगदान दिए: गैंट चार्ट, प्रोजेक्ट टास्क को शेड्यूल करने और ट्रैक करने के लिए एक विज़ुअल टूल, जो एक बुनियादी OM प्लानिंग टूल बना हुआ है; और एक टास्क-और-बोनस वेज सिस्टम जिसे वर्कर्स को साइंटिफिक मैनेजमेंट द्वारा तय प्रोडक्शन स्टैंडर्ड को पाने के लिए मोटिवेट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मास प्रोडक्शन (हेनरी फोर्ड, 1913): फोर्ड ने मॉडल T के लिए टेलर के साइंटिफिक सिद्धांतों को इंटरचेंजेबल पार्ट्स के साथ मूविंग असेंबली लाइन में इंटीग्रेट किया। इस इनोवेशन ने असेंबली टाइम और कॉस्ट को काफी कम कर दिया, जिससे ऑटोमोबाइल आम लोगों के लिए अफोर्डेबल हो गया और सिंक्रोनाइज्ड, हाई-वॉल्यूम प्रोडक्शन की पावर दिखाई।

मानवीय और मात्रात्मक संबंध युग (1930 – 1960 का दशक)

इस समय में OM को सिर्फ़ एफ़िशिएंसी से आगे बढ़ाकर इसमें ह्यूमन फ़ैक्टर और सख़्त मैथमेटिकल मॉडलिंग को भी शामिल किया गया।

हॉथोर्न स्टडीज़ (एल्टन मेयो, 1930s): इन स्टडीज़ से पता चला कि सोशल और साइकोलॉजिकल फैक्टर्स, जैसे ग्रुप डायनामिक्स और मैनेजमेंट का ध्यान, अक्सर फिजिकल वर्किंग कंडीशंस की तुलना में प्रोडक्टिविटी पर ज़्यादा असर डालते थे। इसने **ह्यूमन रिलेशंस** अप्रोच शुरू किया, यह मानते हुए कि ऑपरेशन्स की सफलता संतुष्ट और मोटिवेटेड कर्मचारियों पर निर्भर करती है।

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 8529719732
Page 5 of 50 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल (वाल्टर शेवार्ट और डब्ल्यू. एडवर्ड्स डेमिंग): शेवार्ट ने 1920 के दशक में स्टैटिस्टिकल कंट्रोल चार्ट का कॉन्सेप्ट डेवलप किया, जो प्रोसेस में बदलाव को मॉनिटर करने के लिए एक साइंटिफिक बेसिस देता है। WWII के बाद, डेमिंग और जोसेफ जुरान ने इन स्टैटिस्टिकल मेथड्स को पॉपुलर बनाया, जिसमें लगातार सुधार पर ज़ोर दिया गया और क्वालिटी को सिर्फ़ एक ऑपरेशन टास्क के तौर पर नहीं, बल्कि मैनेजमेंट की ज़िम्मेदारी के तौर पर देखा गया। इसने मॉडर्न क्वालिटी मैनेजमेंट की नींव रखी।

ऑपरेशन्स रिसर्च (OR) / मैनेजमेंट साइंस: WWII के दौरान, मुश्किल लॉजिस्टिक्स और शेड्यूलिंग की समस्याओं को हल करने के लिए मैथमेटिकल तकनीकें (लीनियर प्रोग्रामिंग, क्यूइंग थ्योरी) बनाई गईं। युद्ध के बाद, इन क्वांटिटेटिव तरीकों को इन्वेंट्री कंट्रोल (इकोनॉमिक ऑर्डर क्वांटिटी - EOQ), फोरकास्टिंग और कैपेसिटी प्लानिंग जैसी बिज़नेस समस्याओं पर लागू किया गया।

सामरिक और वैश्विक युग (1970 के दशक से वर्तमान तक)

ग्लोबल कॉम्पिटिशन और टेक्नोलॉजी में तरक्की ने OM को एक स्ट्रेटेजिक, सिस्टम-वाइड डिसिप्लिन बना दिया है जो फ़्लेक्सिबिलिटी, क्वालिटी और सप्लाई चेन पर फोकस करता है।

जापानी मैन्युफैक्चरिंग (JIT और लीन): टोयोटा (टोयोटा प्रोडक्शन सिस्टम के साथ) जैसी कंपनियों ने वेस्ट खत्म करने, सेटअप टाइम कम करने और प्रोसेस में क्वालिटी कंट्रोल को इंटीग्रेट करने (ऑटोनोमेशन या *जिडोका*) पर फोकस करके सफलता हासिल की। इसके नतीजे **में जस्ट-इन-टाइम (JIT)** और **लीन मैन्युफैक्चरिंग की** सोच ने दुनिया भर में एफिशिएंसी और क्वालिटी स्टैंडर्ड को फिर से तय किया।

टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (TQM) और सिक्स सिग्मा: TQM दुनिया भर में अपनाई जाने वाली एक सोच बन गई, जिसमें कस्टमर फोकस और लगातार सुधार पर ज़ोर दिया गया। बाद में, मोटोरोला के **सिक्स सिग्मा** ने प्रोसेस में बदलाव और कमियों को कम करने के लिए एक बहुत ही स्ट्रक्चर्ड, डेटा-ड्रिवन तरीका दिया, जो एक बड़ी कॉर्पोरेट पहल बन गई।

सर्विस ऑपरेशन्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT): सर्विस सेक्टर की ग्रोथ के लिए OM प्रिंसिपल्स को इनटैंजिबल आउटपुट्स के हिसाब से बदलना ज़रूरी था, जिसमें कस्टमर इंटरैक्शन और वेट-टाइम मैनेजमेंट पर फोकस किया गया। IT, खासकर 1990 के दशक में एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ERP) सिस्टम्स के आने से, कंपनियों को दुनिया भर में सभी बिजनेस फंक्शन्स को इंटीग्रेट और कोऑर्डिनेट करने में मदद मिली, जिससे फैसले लेने के लिए रियल-टाइम डेटा मिला।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट (SCM): आज के समय में OM फर्म की सीमाओं से आगे बढ़ रहा है। SCM सप्लायर्स, मैन्युफैक्चरर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और रिटेलर्स के पूरे नेटवर्क में एक्टिविटीज़ का कोऑर्डिनेशन है, जो ओवरऑल सिस्टम परफॉर्मेंस और रेज़िलिएंस को बढ़ाने के लिए जानकारी और सामान के फ्लो को ऑप्टिमाइज़ करता है।

Q. 3- ऑपरेशन्स स्ट्रैटेजी को डिफाइन करें। इसके एलिमेंट्स और टाइप्स को डिटेल में समझाएं।

उत्तर: **ऑपरेशन्स स्ट्रैटेजी की परिभाषा**

ऑपरेशन्स स्ट्रैटेजी एक फंक्शनल स्ट्रैटेजी है जो ऑपरेशन्स फंक्शन की क्षमताओं को फर्म की कॉम्पिटिटिव स्ट्रैटेजी के साथ जोड़ती है। यह कंपनी के प्रोडक्शन या सर्विस ट्रांसफॉर्मेशन सिस्टम के डिज़ाइन और इस्तेमाल के लिए लॉन्ग-रेंज प्लान है ताकि बिज़नेस के लक्ष्यों को सपोर्ट किया जा सके। ऑपरेशन्स स्ट्रैटेजी मार्केट-ड्रिवन प्रायोरिटीज़ (जैसे कॉस्ट, क्वालिटी, डिलीवरी और फ़्लेक्सिबिलिटी) को ऑपरेशन्स सिस्टम के स्ट्रक्चरल और इंफ्रास्ट्रक्चरल एलिमेंट्स के बारे में खास फैसलों में बदलने की कोशिश करती है। एक सफल ऑपरेशन्स स्ट्रैटेजी यह पक्का करती है कि फर्म के रिसोर्स इस तरह से कॉन्फ़िगर किए जाएं जिससे एक सस्टेनेबल कॉम्पिटिटिव एडवांटेज मिले।

संचालन रणनीति के तत्व

ऑपरेशन्स स्ट्रैटेजी बनाने वाले फैसलों को आम तौर पर दो एक-दूसरे पर निर्भर ग्रुप में बांटा जाता है: स्ट्रक्चरल (फिजिकल रिसोर्स से जुड़ा) और इंफ्रास्ट्रक्चरल (सिस्टम और लोगों से जुड़ा)।

A. स्ट्रक्चरल एलिमेंट्स: इन फैसलों में बड़ा कैपिटल इन्वेस्टमेंट शामिल होता है, ये लॉन्ग-टर्म होते हैं, और एक बार लागू होने के बाद इन्हें बदलना मुश्किल होता है।

1. क्षमता:

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

WHATSAPP ONLY: +91 9485943709

WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905

1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/

2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/

Mother Publication • IGNOU Study Resources